जल्द दौड़ेगी फुल स्पीड से मुंबई की अंडरग्राउंड मेट्रो

टेस्ट हुआ शुरू, अगले साल के अंत तक शुरू होगी सेवा

■ **वरिष्ठ संवाददाता, मुंबई:** मुंबई की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो ट्रायल रन के दौरान फुल स्पीड टेस्ट में पास हो गई है। मेट्रो को 65 किमी प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ा कर मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएसआरसी) ने डायनैमिक और स्टैटिक टेस्ट की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इन दोनों टेस्ट के दौरान ट्रेन के संचालन के जुड़े सभी उपकरणों की जांच होती है।

2023 के अंत तक सीप्झ से बीकेसी के बीच सेवा शुरू करने के लिए मेट्रो-3 कॉरिडोर के 3 किमी मार्ग पर ट्रायल रन चल रहा है। अगले साल के अपने लक्ष्य को पूरा करने के मार्ग पर बुधवार को एमएमआरसी को बड़ी कामयाबी मिली है। स्टैटिक टेस्ट के दौरान ट्रेन का ड्राइविंग मोड टेस्ट, मीडियम वोल्टेज वेरिफिकेशन टेस्ट, हाई वोल्टेज टेस्ट, एयर कंप्रेशर टेस्ट, ब्रेक टेस्ट, डोर स्टेप, एयर कंडीशन, पैसेंजर अनाउंसमेंट, कम्युनिकेशन व इन्फॉर्मेशन सिस्टम समेत अन्य उपकरणों की जांच की गई। डायनैमिक टेस्ट के दौरान मेट्रो को हाई व लो स्पीड में दौड़ा कर रैक में लगे सभी उपकरणों और सिग्नलिंग सिस्टम की जांच की गई। इन दो टेस्ट में मेट्रो रेक और मार्ग में लगे सभी उपकरण पास में हो गए हैं। देश में बने मेट्रो-3 के आठ डिब्बों के रेक अधिकतम 95 किमी की स्पीड तक दौड़ सकते हैं। एमएमआरसी ने सेवा शुरू करने के शुरुआती चरण में मेट्रो को 85 किमी प्रति घंटे के हिसाब से ट्रैक पर दौड़ाने का निर्णय लिया है।

मेट्रो-3 लाइन का कफ परेड स्टेशन लगभग तैयार है।

अब यहां होगी परीक्षा : सीधे मार्ग पर मेट्रो की दौड़ा कर अब ट्रैक बदलते वक्त मेट्रो की जांच होगी। मौजूदा समय में मेट्रो का ट्रायल रन सारीपुत नगर (सीप्झ) से मरोल नाका स्टेशन के बीच हो रहा है। एमएसआरसी ने सहार रोड स्टेशन के करीब ओवर ट्रैक तैयार किया है। ओवर ट्रैक से ट्रेन को अप लाइन से डाउन लाइन की तरफ मोड़ा जाता है। जल्द ही ट्रायल रन का दायरा मरोल नाका से बढ़ाकर सहार रोड स्टेशन तक कर ओवर ट्रैक के जरिए भी होगा। इस टेस्ट के बाद मेट्रो के रोलिंग स्टॉक (आरडीएसओ) का टेस्ट होगा। आरडीएसओ टेस्ट के बाद सिग्नलिंग सिस्टम व अन्य जांच होगी।

नए साल में बढ़ेगी रफ्तार: ट्रायल रन को रफ्तार देने के लिए दिसंबर के अंत तक मेट्रो की एक और रेक मुंबई पहुंच जाएगी। आठ डिब्बों की रेक सड़क मार्ग से आंध्र प्रदेश से मुंबई की तरफ रवाना हो चुकी है। फिलहाल, एक रेक के माध्यम से ट्रायल रन की 10 हजार किमी की अनिवार्य दौड़ को पूरा किया जा रहा है। कोलाबा-बांद्रा-सीप्झ के बीच 33 किमी लंबा मेट्रो-3 कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। प्रॉजेक्ट का 76.6 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। दिसंबर 2023 में सीप्झ से बीकेसी और जून 2024 से पूरे रूट पर सेवा शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।